लोहे के आंकड़े उपलब्ध नहीं है । १९५८ में ८७ रीरोलिंग मिलों की एक पाली के आधार पर स्वीकृत कार्यक्षमता लगभग १,८६,००० टन प्रतिवर्ष थी और १९५८ मे १४४ रीरोलिंग मिलों की स्वीकृत कार्यक्षमता लगभग २,३९,००० टन थी । तथापि यह ज्ञात हुआ है कि बहुत से रीरोलिंग मिल वालों ने अपने कारखानों में सुधार करके और कुछों ने पुरानी इकाइयों की जगह नई इकाइया लगाकर अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा लिया है । यह अनुमान लगाया जाता है कि इस प्रकार के सुधारों के पश्चात् कार्यक्षमता लगभग ६,००,००० टन बढ गई है ।

हिन्दी और अंग्रेजी स्टेनोग्राफर

२२३. श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयो मे काम करने वाले हिन्दी और अंग्रेजी शीघ्रलिपिको (स्टेनोग्राफर्स) की क्रमश संख्या कितनी है

(ख) क्या आगामी पांच वर्षों म और हिन्दी शीघ्रलिपिकों (स्टेनोग्राफर्स) की आवश्यकता पड़ेगी और

(ग) यदि हा, तो क्या अंग्रजी शीघ्रलिपिको (स्टेनोग्राफर्स) को भी हिन्दी शार्टहैंड का प्रशिक्षण दिया जायगा अथवा इस आवश्यकता की पूर्ति के लिये कोई और प्रबन्ध किया जायेगा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री बाताए) : (क) पूरी सूचना प्राप्त नही है । भारत सरकार के दिल्ली स्थित कार्यालयो में १-८-५८ को २५ हिन्दी स्टेनोग्राफर थे । मंत्रालयों और सलग्न कार्यालयों मे अंग्रेजी के करीब १७० स्टेनोग्राफर है जिनमे से कुछ हिन्दी की स्टेनोग्राफी भी जानते है । इस संख्या मे परराष्ट्र मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय में काम करने वाले स्टेनोग्राफर शामिल नहीं है ।

(ख) और (ग). इस विषय मे आवश्यक निर्णय संसद् में राजभाषा की संसदीय समिति की रिपोर्ट पर विचार हो जाने के बाद किये जायेंगे ।

Contraband Goods

221 Shri Vajpayee: Will the Minister of Finance be pleased to state.

(a) whether it is a fact that number of cases in which contraband goods have been seized from ships plying on the India-Africa line, have registered an increase,

(b) if so, the reasons thereof,

(c) whether it is a fact that on the 22nd May, 1959 a big consignment of contraband gold, wrist watches and cigarette lighters was seized from "the State of Bombay" by the Customs, and

(d) if so, the details thereof?

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai) (a) and (b) There has been no appreciable increase in the number of cases of contraband goods seized from ships plying on the India-Africa line

(c) and (d) Yes, Sir On rummaging the s.s "State of Bombay" on 22nd May, 1959 the Bombay Customs authorities found the following items of contraband concealed in various parts of the ship —

Gold bullion, 40 tolas, valued at Rs. 5,000.
Wrist watches, 7 valued at Rs 420
Cigarette lighters, 36. valued at Rs 54.

The ownership of these articles could not be established